Percentage shares of China, Japan, Germany and Pakistan were as given below:

Country	Percentage Shares		
	1988	1989	1990
Germany	11.4	11.5	12.0
China	7.5	7.0	6.5
Japan	6.0	5.5	5.5
Pakistan	2.0	2.0	(Not Availabe)

SOURCE GATT

(c) There has been no fall in India's exports of textiles.

(d) Government have taken a number of steps to increase exports like fixing of floor prices for quota items in terms of convertible currencies, introduction of Liberalised Exchange Rate Management System, facilitating import of new textile and garment machinery items without licensing requirements, liberalised Export Promotion (Capital Goods) Scheme, facilitating import of second hand machinery required for manufacture of garments, hosiery and made-ups without licensing requirements, facilitating easier access to raw material of international quality through advance licence scheme, encouragement to manufacturer-exporters and non-quota exporters through appropriate policy measures, organising Buyer-Seller Meets, participation in fairs and exhibitions abroad etc.

रेशम उत्पादकों को प्रोत्साहन और केन्द्रीय सहायता

3601. **श्री अजीत जोगी :**

श्रीमती कैलाशपति :

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में पिछले दो वर्षों की तुलना में चालू वर्ष के दौरान रेशम का उत्पादन घट गया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार रेशम-उत्पादकों को प्रोत्साहन और केन्द्रीय सहायता देने का विचार रखती है ताकि रेशम के उत्पादन में आ रही गिरावट को रोका जा सके ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) और (ख) कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के रेशम उत्पादक राज्यों में अचानक प्रेब्रीन रोग के फूट पड़ने के कारण वर्ष 1990-91 की तुलना में वर्ष 1991-92 के दौरान रेशम के उत्पादन में कमी आई है । केन्द्रीय रेशम बोर्ड और संबंधित राज्य सरकारों ने इस रोग पर काबू पाने के लिए कई उपचारी कदम उठाए हैं । यह आशा की जाती है कि चालू वित्तीय वर्ष अर्थात्, 1992-93 के दौरान रेशम का उत्पादन पिछले 2 वर्षों की तुलना में अधिक होगा ।

(ग) और (घ) देश में रेशम उत्पादन के विकास को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य रेशम उत्पादन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों को पूरा करने के लिए केन्द्रीय रेशम बोर्ड ने पूरे देश में यूनिटों की स्थापना के लिए कदम उठाए हैं ताकि उद्योग को अनुसंधान एवं विकास, विस्तार, प्रशिक्षण और अवस्थापना संबंधी समर्थन प्रदान किया जा सके । इसके अतिरिक्त देश में रेशम के उत्पादन को प्रोत्साहन

देने के लिए निम्नोक्त कुछ योजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं :—

(1) 50 प्रतिशत लागत पर शहतूती कलमों/पौधों की सप्लाई ।

(2) सीमान्त कृषकों को कीटपालन उपस्करों की निशुल्क सप्लाई ।

(3) यूजी फलाई नियन्त्रण के लिए 50 प्रतिशत लागत पर नायलोन जालों की सप्लाई ।

(4) द्विफसलीय रेशम कीटपालकों और रीलरों को प्रोत्साहन बोनस ।

(5) किसानों के अध्ययन दौरे की व्यवस्था करना ।

(6) रीलिंग में प्रशिक्षण ।

(7) मल्टी एण्ड रीलिंग यूनिटों की स्थापना के लिए रीलरों को सहायता देना ।

अखिल भारतीय हथकरघा उद्योग के लिए विशेष निधियां

3602. **श्रीमती कैलाशपति** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार अखिल भारतीय हथकरघा उद्योग के लिए विशेष निधियां आबंटित करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो नई प्रणाली को कब तक और किस प्रकार कार्यान्वित किया जाएगा ;

(ग) क्या विद्युतकरघा / हथकरघा उद्योग के विकास के लिए विशेष निधियां आबंटित करने का प्रस्ताव है ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) हथकरघा क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की कई प्लान और नॉन प्लान योजनाएं हैं । ऐसी योजनाओं इस क्षेत्र की आवश्यकता के आधार पर समय-समय पर संशोधन किया जाता है और नई योजनाएं अनुमोदित की जाती हैं । तदनुसार नई योजनाओं के लिए धनराशि आबटित की जाती है ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) और (घ) चालू "प्लान और नॉनप्लान" योजनाओं के लिए वर्ष 1992–93 के लिए बजट प्राकलन में निम्नलिखित राशि आबटित की गई है :—

(लाख रुपयों में)

हथकरघा	पावरलूम
25538.40	318

हथकरघा वस्तुओं का निर्यात

3603. **श्री अजीत जोग :**

श्रीमती कैलाशपति :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान और वर्ष 1992 में अब तक किन-किन देशों को हथकरघा वस्तुओं का निर्यात किया गया ;

(ख) क्या विदेश में भारतीय हथकरघा वस्तुओं की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए सरकार ने कोई योजना तैयार की है ; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) : (क) भारतीय हथकरघा माल का विश्व में सौ से अधिक देशों को निर्यात किया जा रहा है । वर्ष 1989–90, 1990–91 और 1991–92 के दौरान प्रमुख बाजारों को सूती हथकरघा फाब्रिक और प्रमुख बाजारों को सूती हथकरघा फैब्रिक और मेड-अप्स के निर्यात के आंकड़े दर्शाने वाला विवरण संलग्न है । (**देखिये** परिशिष्ट 164 अनुपल सं० 58)

(ख) और (ग) सरकार ने हथकरघा वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं जैसे बिक्री-सह-अध्ययन दलों को प्रायोजित करना, प्रमुख बाजारों में मेलों में भाग लेना, विदेश व्यापार पत्रिकाओं में विज्ञापन प्रकाशित